an>

Title: Regarding establishment of Airport at Kelashar, Kamalpur and Khowai.

श्री शंकर प्रसाद दत्ता (त्रिपुरा पश्चिम): उपाध्यक्ष महोदय, मैं आपके माध्यम से अपने राज्य की एक महत्वपूर्ण बात माननीय नागर विमानन मंत्री जी के सामने रखना चाहता हूं। मेरा राज्य त्रिपुरा पहाड़ी और जंगल से घिरा हुआ राज्य है। दिल्ली से अगरतला तक जाने के लिए विमान से छः-सात घंटे लग जाते हैं। वहां पहाड़ और जंगल बहुत हैं। हमारे स्टेट के दो हिस्से जंगल से घिरे हुए हैं। बहुत साल पहले केलाशहर, कमलपुर और खोवाई में एयरपोर्ट था। अगरतला स्टेट कैपिटल से केलाशहर तक जाने के लिए छः घंटे लग जाते हैं। जब कभी कोई बीमार पड़ जाये या कोई इमर्जेंसी काम आ जाये, तो अगरतला स्टेट कैपिटल में पहुंचने के लिए बहुत दिक्कत हो जाती है। हम कुछ दिन पहले नागर विमानन मंत्री जी के घर किसी दूसरी बात को लेकर गये। There, we noticed that that Kailshahar, Kalampur and Khowai were identified as airports It was depicted in the list of the Minister of Civil Aviation. So, I would strongly demand that in Kailashahar, Kamalpur and Khowai, airports may be re-established.